दैनिक राजस्थान पत्रिका, जयपुर

20 SEP 2019

**हिंगोनिया गौशाला :** रोज दम तोड़ रहीं 90-100 गायें

# कारकस प्लांट बंद, गौशाला में ही दफन की जा रहीं मृत गायें

गौशाला परिसर में गड्ढा खोदकर दफनाई गईं गायें। फोटो- अजय सोलोमन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जयपुर.** दो साल से राजधानी का एकमात्र कारकस प्लांट ठप होने से शहर के मृत मवेशियों और हिंगोनिया गौशाला की मृत गायों को गौशाला परिसर में दफनाया जा रहा है। रामगढ़ रोड पर चेनपुरा स्थित यह प्लांट दो साल से बंद पड़ा है। ऐसे में शहर व गौशाला में रोजाना मर रहे 90-10 गौवंश को गौशाला परिसर में ही गाड़ा जा रहा है। गायों के एक ही जगह पर गाड़े जाने से वहां हमेशा कुत्तों के झुंड मंडराते रहते हैं। साथ ही जिंदा गायों के लिए भी ये कुत्ते परेशानी का कारण बने हुए हैं। दफन करने के लिए जो गड्ढे खोदे जा रहे है, वे इतने छोटे हैं कि कुत्ते मृत गायों को आसानी से शिकार बना लेते हैं।

## जिंदा गायों पर भी कुत्तों के हमले बढ़े

**ग्रामीणों** के अनुसार पहले मृत गायों पर गिद्ध मंडराते थे, लेकिन अब कुत्तों के झुंड ही दिखाई देते हैं। मृत गायों के कारण आसपास क्षेत्र में कुत्ते ही कुत्ते नजर आ रहे हैं, जो लोगों के लिए भी खतरा बने हुए हैं। मृत गायों की दुर्गंध से आसपास के गांवों में लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। बरसात में चारों तरफ असहनीय दुर्गंध फैलने के साथ उल्टी दस्त व मौसमी बुखार का प्रकोप बढ़ गया है। लोग मकान खाली कर अन्य जगह रहने लगे हैं।

प्लांट बंद होने से शहर में मरने वाले जानवर व गायें भी गौशाला में दफनाने के लिए लाई जा रही हैं। इन्हें गड्ढे खोदकर ही दफनाया जाता है।

**एचएस मीणा,** उप निदेशक पशुपालन विभाग

गौशाला की वजह से बीमारियां बढ़ गई हैं। प्रदूषित लटों के कारण खेती भी प्रभावित हो रही है। दर्जनों कुत्ते भी हिंसक बन गए हैं। ग्रामीण परेशान हैं।

**राम नारायण मीणा,** रामसिंहपुरा, बूडथल

प्लांट को शीघ्र शुरू किया जाए ताकि मृत मवेशियों का निस्तारण किया जा सके।

**गिरिराज खंडेलवाल,** पूर्व नेता प्रतिपक्ष, निगम